पीयू कैलेंडर में जुड़ेगी सावित्री बाई फुले की जयंती, परिचर्चा का आयोजन

महिलाओं को दिलाया शिक्षा का अधिकार

189वीं जयंती

पटना | वरीय संवाददाता

डॉक्टर आम्बेडकर चेयर और पटना विश्वविद्यालय डॉ. आंबेडकर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को माता सावित्री बाई फुले की 189वीं जयंती पर एक दिवसीय परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसका विषय भारतीय महिला शिक्षा के क्षेत्र में सावित्री बाई फुले का योगदान रखा गया था।

कार्यक्रम का उद्घाटन पटना विवि के कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फुले ने एक दलित-पिछड़ी महिला होकर सभी वर्गों की महिलाओं के लिए सर्वप्रथम पढ़ाने-लिखाने का प्रेरणादायक कार्य किया। कुलपति ने यह भी घोषणा की कि आगे से प्रत्येक वर्ष सावित्री बाई फुले की जयंती पटना विवि के कैलेंडर के अनुसार मनायी जाएगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की चेयर प्रो. पूनम सिंह ने की। उन्होंने कहा कि माता सावित्री बाई फुले की जीवनी से जुड़ी फिल्म भी वर्ष 2018 में आयी है। सर्वप्रथम महिला शिक्षिका होकर उन्होंने भारतीय महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलाने की कार्य किया।

कार्यक्रम में मगध विवि के पूर्व प्रति कुलपति प्रो. कायानंद पासवान ने सावित्री के जीवन से जुड़े कई दृष्टांत बताये। प्रोफेसर श्यामल किशोर ने फुले की विचारधारा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रोफेसर सुधा मिश्रा, प्रोफेसर ममता दास, प्रोफेसर उदय कुमार, डॉ. विजेता सिंह, डॉ. आकांक्षा, डॉक्टर सागर सरकार, ललित कुमार, प्रियंका सागर आदि उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में आए सहायक प्रोफेसर बैजू बावरा और डॉ. चंदन कुमार चौधरी ने भी अपनी बातों को रखा। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. हुलेश मांझी ने किया।

दरभंगा हाउस में सावित्री बाई फूले की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते वीसी रासबिहारी प्रसाद सिंह व अन्य।